

॥१॥

श्रीगणेशायनमः अथ स्वरोद्देश्येते ॥ होहा ॥ नमोनमो सुबंदे
 वेज्जानो वो आदिभ्रजंत ॥ तमप्रसादस्वरभेदकोचरतदास
 वरजंत ॥ १ ॥ प्रसौतमप्रमात्मापूराविस्वावीस ॥ आदिपुरुषं विव
 क्षतो हिनवरात्री शोश ॥ २ ॥ कुंडलिया ॥ अक्षरं सौं कहंत है
 अक्षरसौं हं जानि ॥ नहि अक्षरस्वासारहितता ही कों मन आनि ॥
 ता ही कों मन आनि राति दिन सुरतिलगों वों ॥ आपा आपु विचा
 रियौ रनहि सीसनवा वों ॥ चरनदास मधिक कहंत है अगमतिगम

॥१॥

॥२॥

को आबो ॥ चढवाढवसमनूपउलठिकैतहासमाबो ॥ चरिवेदको
नेहेहेगीतकोहेजीव ॥ चरनहासलविश्रुकोतामेतेरोपीव ॥ पुढेहा ॥
सबजोगिनकोजोगहेशवज्ञानिनकोज्ञान ॥ शवसिधनकोसि
दिहैतात्सवरनकोध्यान ॥ ६ ॥ बसज्ञानकोजापहैअजपातैह
साध ॥ प्रमहंसकोईसजानेताकोमतोअगाध ॥ ७ ॥ नेहसरोहैजो
लेहेशमुँकेस्वासाउशास ॥ ८ ॥ पुरीमलीसामेलवैपवनसत्रुतम
नगास ॥ ९ ॥ सुबदेवगुरुकृपाकरोदिसोस्वरोहैज्ञान ॥ जबसेय

॥२॥

कीसीय ॥ यही वचन ब्रह्मग्यान को मानहु विस्वावीस ॥ कुंडलिया ॥
 उसंकाया सोमली सोहं सोमन न होय ॥ नहि मर सर सो स्वासा भई
 चरन दास भूल जोय ॥ चरन दास भाल जोय वैचिमन वीत होय ॥
 चरन रोह मर सर निहि मर सर के दुविधान रावो ॥ न वर से एक
 हिये कही भेय यह सब तिहारो ॥ गार पात फल फूल सौं सजी निहारो ॥
 कुंडलिया ॥ स्वासा सोहं गभयो सोहं उं मोर्जेकार ॥ उं सो सो
 रीं भयो साधो करो विचार ॥ साधो करोहु विचार षट्पद पते

॥३॥

3

कृष्णपक्षजादिनलगेताहिमिततुहै जान ॥ सुकलपक्षहेचंद्रको यह
 निहचै करि जान ॥ १५ ॥ सोमवारशुक्रभलो बुधवरुसपतिरेय ॥ चंद्रजो
 गकोसफलहेकहरनजीतिविसेय ॥ १६ ॥ मंगलशुक्ररविवारदिनमौ
 रसनीचरसौ नू ॥ शुभकारजकोमिततुहैशुभरजकेहीनतीन ॥ १७ ॥ तत्त्ववा
 रविचारकरिहहिनोवाचोअंग ॥ एताजीतमीतसुरजोमिलैशुभकारजप्र
 संग ॥ १८ ॥ कृष्णपक्षकोआदिहैतीनदिनालभिमान ॥ फिरिचंद्राफिरि
 मानहेफिरिचंद्राफिरिमान ॥ १९ ॥ सुकलपक्षकेआदिहैतीनदिनालगुचंद्र

हजातिपरीलाभहैंहिं कहानि॥ ९०॥ रंगलापिंगलासुयमाताताडी
 तीनिवीचार॥ दहिनेवीं एशुरचलैलखैधारनाधार॥ १०॥ पिंगलादा
 हिने अंगहै ईशलावां एं होइ॥ सुयमनस्तकेवी चहै जवसुरचलैसो
 होइ॥ ११॥ जवशुरचलैपिंगलातेहिमाशूरजवाश॥ ईशसूवीं एं अंगहै
 बंदुकरतप्रकास॥ १२॥ उदैअस्ततिनकीलखैनिरगमसुरकहविधि॥
 ओरुपावैतत्तवरकेंजधचहैसिधि॥ १३॥ सुयदेवकहीचरैशसकोपि
 रचरस्वरपहियानि॥ थिरकारजकोबंदुमाचरकारजको जानु॥ १४॥

जो कोर पछे मार करितौ समुझौ शुभ काजा ॥ २६ ॥ इहि नो स्वर जव चलत है
 पछे वाँवो मंग ॥ शुकल पदनहि वार है तौ निरफल प्रसंग ॥ २७ ॥ जो कोर पछे
 छे मार के वै दिहाहि नीवोर ॥ चंद चले सुरजा नहि कारज विधि कोर ॥ २८ ॥ जो
 सरज मे स्वर चले कहै हाहि ने मार ॥ लग्न वार मौरि विमिलै कहें कारज हो
 रजा ॥ २९ ॥ जो चंद मे स्वर चले वाँवो पछे काजा ॥ तिथि मौर मरवार मि
 लै शुभ कारज को साज ३० सात पांच नौ तिथि नगन न पंडौ ह मौर पची
 स काज न बन मरगि नै नानु जाग कोई स ३१ चारि मार दार शजि

फिरि सरज फिरि चंद है फिरि सरज फिरि चंद ॥ २० ॥ सरज के दिन मे चले
 जो सरज पक्ष ॥ सुबह ही को करत है लहलहा मंगल ॥ २१ ॥ शकल पक्ष
 चंद चले परिवार उ विचार ॥ फल अने दमंगल करे देही को सुख सार ॥ २२ ॥
 शकल पक्ष तिथि में चले ज्यो परिवार को जानु ॥ होइ कले सपी राकु छूके
 कछु हंनि ॥ २३ ॥ सरज की तिथि मा चले ज्यो परिवार को चंद ॥ कलह
 करे पीछे करे हानि नाप के संद ॥ २४ ॥ ऊपर वीर्यो सान्धनै खर वीर्यो के संग ॥
 जो पूछे ससि जोग मत्तौ नी के प्रसंग ॥ २५ ॥ नीचे पीछे दाहिने खर सर कौं रज

५

हार ३७ धरती और आकास हे और तीसरी पौन पाती पावक पांच पौक
 रत स्वास मे गौन ३८ धरती तो सो ही चले और बिरो रंग देव वारह आ
 गुल स्वास मे सुरति निरव कर पेव ३९ ऊपर को पावक चले लाल रंग न
 हिजेस चारि सो आंगुर स्वास मे चरन शस और स ४० नीचे को पाती
 चले शतरंग है तास सोरह आंगुल स्वास मे चरन शस कहि जा सु
 हरौ अंग है बापु को प्रियी चले ज सोर आठ सु आंगुल स्वास मे रन जी
 त मीत करि जोर ४१ शरद तो परन चले सुख मन मे परकास रर

५

नैचौदहसोरहमीत चन्द्रजोगकेसंगहै चरनदासरनजीत ३२ कर्कसेय
 तुलामकरचारयौचरतीरसिं सूर्यसुचारैमिलतहैचनुकारजपसं
 ३३ मीनमिथुनकन्याकहोचौपिम्नौरधनमीत दशमीकोंसुयमना
 मुरलीसुतरनजीत ३४ वयकसिहवयकुभपुनिवाँवौंस्वरकेसंग
 चन्द्रजोगकोंमिलतहैपिरकारजपरसंग ३५ चितम्पनौअस्थिरक
 रैखासाआगेनैन खासाद्विसौंजवार्यांचेवैस्वरवैन ३६ पांचवारि
 पांचौचलेफिरिवाँचाहिवार पांचतत्त्वबलतैमिलैस्वरविचलेहनि

४६

यैवरीनालीजगहोर ४२ चौपाइ संकांतिपुनिमेयविचारै तादिनल
 जैतोबरीनिहारै १ वहतेस्वरमेकरैविचार वलैकवनसोतच
 निहार २ जाँवाँस्वरपयिबीहार नीकोतत्यकहवैसोय ३ इसवि
 धपञ्चौसमौवतावै परजासुगोमेहवरसावै ४ चारवहुतठौरकहुँ
 पजै नरदेहीकोअंनुषहुनिपजै ५ जबवलैवाँस्वरमाही धरतीन
 लेमेहवरयाही ६ आनंदसंगलसोजोगमाही वायोतत्वचेशमेवही ७
 जलधरतीहोउसुनभाई चरनशसरनजीतिवताई ८ तीनतत्तकाक ६

स्वासरंग है तासु को सो शत त्वम्भकास ४३ जल पृथी के जोग मे जो कोर पद
 यात सप्तिबर मे जो सुर चलै कहि कार जहो ज्ञात ४४ पावक और अम्भका
 सपुनिक है वीं ये जो होय जो कोर पद अम्भका जन्म दिहो ४५ सी को
 पछे कोर वैठि चंद की नार धरती वीं स्वर चलै मरै नही विधि कोर ४६ रो
 गो को पर संग जो वीं पद अम्भानि चंद वंद सरज चलै जीवै नहि बह जावि ४७
 वह ते स्वर सो अम्भार के वंद कोर जो जाइ जो पद पर संग यह रो गी नहि छह
 राय ४८ वस्त्रिक को फल कहो तब मजानो सोइ काल समौ सब हिल

नलगैपरैतत्वस्वासा मे जो २ ६१ नीरहिपुनिपरिवालयेपपीहै
 अस्थान होरसमोपरजासुयी राजासुयीनिदान ६३ नीरचलैजो
 चंद्रमेयाहोसमोकीजीत जलवायेपरजासुयीसंवतनीकोमीत ६४
 प्रपीवायांतवभलीनहिचंद्राष्टमस्थान रहिनेसुरमेजोवहेतवत
 बमधिप्रजान ६५ कालपरैतवजानियेसुयमनहैप्रभात पश्य
 नहारोवंसहैराजहोउत्पात ६६ राजहोउत्पातपुनिपरैकालविस्था
 स मेहनहीपरादुयीजोहेतत्वमकास ६७ स्वासामेपावकचले

हविचारा स्वरमेजाकनिदनिहारा ८ लागैमेयसंक्रांतिजोतवही ॥
 लागीचरीविचारोजवहीं १० अग्नतत्वस्वरमेजवचालै रोगहोय
 मेपरजाहालै ११ कालपरैथोरोसोवरसै देसभंगजोपावकहरसै १२
 वार्योतत्ववेलैस्वरसंगा जगभयमानहोयकच्छुदंगा १३ अरधकाल
 थोरसवरसै वार्योतत्वजोसुरमेहरसै १४ तत्वअकासवेलैस्वरदोरं मेहु
 नवरसैअन्ननहोई १५ तत्वअकासहोरस्वरमोही कालपरैत्रिनउपजै
 नाहीं १६ दोहा चैरतमहीनामध्यमेजवहीपरिचाहोर सत्कपदजादि

८

सवशिपहिचानौ ५ करैहवेलीसपरद्यावै वागवगीचागुफ्रीवनवै ६
 जारकोठहामूहकिमधारे चंद्रजोगम्रासनपगधारे ७ चरनदासर
 नजीतकहावै चंद्रजोगपिरकाजवतावै ८ होहा वार्येंस्वरभेका
 जवैसोमैरियेवताह दहिजेस्वरकेकहतहवप्पानसरोदयगा ९।
 बौ: जोबाडोकरलीयोचाह जारकैवैरीउपनवाह १ वार्येंचरनजीतैसोरे
 दहिजेस्वरमेचालैकोई २ जोजनकैकैम्रस्नाना मैथुनक्रममानपर
 मानो ३ बाहीलबिकीजैप्योहरा गजधोरावाहनकस्तारा ४ विद्या

अंधको लजवजान हो रोग परजा दुषी घटै राज को मान दह नयक
 ले सहेर समे विग्रह फलै अंत परै कास प्रजा दुषी चलै बाँयें को
 तल दह संक्राति मरु चैत्र की दूनौ मेदयतार जगति काज मय कहत
 हौं चंद्रसुर्ज को न्याय ७० चौः विवांरु दान तीरथ जो करै वसत्र मुख
 राघर पगधरै १ बाँयें स्वर मेयौं सय की जै पोथी पुस्तक जो लिखि ली जै
 जोग म्यास म्यो की जै मीता म्यो यधना डी की जै पीता ३ हिंसा मंतर वो
 बैनाजा चंद्रजोग धिर वैठै राजा ४ चंद्रजोग मेरि जिंनौ धिर कारज

मनचलतनचालियेहीनोतोहिवतार ८१ परवउतत्तरमतिचलोवाँयें
 स्वरपरसंग हानिहोइवडुरेनहीआवनकीनहिसंग ८२ रहिनेस्व
 रनहिचालियेरक्षिनपक्षिमजानिजोनरजाइवडुरेनहीतहाहोवडु
 हानि ८३ रहिनेस्वरमेजाइयेपरवउत्तरराज सुखसंपत्तिआनंदकरै
 सवेहोहिसुभकाज ८४ वाँयेंस्वरमेंजाइयेरक्षिनपक्षिमदेस सुख
 आनंदमंगलकरैजोरजाइपरदेस ८५ रहिनेसैंतीआइकेवाँयेपूरे
 काज जोवाँयेंस्वरवदेहसुफलनहोयेहैकाज ८६ वाँयेंसैंतीआ
 इकेरहिनेपूरेधाइ जोरहिनेस्वरवदेहैकाइजअफलबताइ ८७

काव्यपठनजोसाधै मंत्रसिद्धिध्यानपुनिलाधै ५ वैरीभवनगनजी
कीजे बैरकहाकोरनहीजै ६ रिनकाहपेयैजोमोगे विषअरु
तउतारनलागे ७ चरनदासनजीतविचोरो वेचरकाजभानकेला
रो ८ होह चरकारजकोभानुहैधिरकारजकीबंद सुखमनचल
तनचालियेतहिहोईकद्युहुंद ९ गीवपरगनायेतपुनिर्धरऊध
रसुनुमीत सुखमनचलतनचालियैवरजतैहरनजीत १० ।
हिनवांछिन्हहिनेशोईसुखमनजानि कीबहवाकोनामितैकी
कारजकीहनि ११ हैनजेसपीपाक दुककोइकाहैंजोचाई सुख

जो कोरु हरै सरस सोताहि विचारत ३४ आठ पहर दहि नो चले वद
 ले नही जो पौन वरस तीन कायार है जीव करै तन गौन ५ सोरह
 पहर चले व है स्वास पिंगल माहि जुगल वरय कायार है पादूर हनी
 माहि ६ पांचौ रैन अरु पांच दिन चले दहि नो स्वास भरि संवत कायार
 है पाछे होइ विनास ७ पंदरह दिन निसु दिन चले स्वास मान की वोर आ
 चे जीन बढ मास है जीव जायत न छोर ८ बीस दिन अरु रैन कोर विचले य
 कसार मास तीनि कायार है फिरि लेवै जम मारि ९ मास येक जोरै इनि दि
 न स्वर जो दहि न होर चरन दास मै सैं कहै नर जीवै दिन होर १० नहि

जवस्वरभीतरकोबलैकारजपूछैकोइ पैजवांविवासोंकहैमनसापूरज
होइ २८ जवस्वरवांयेंकोबलैजोकोइपूछैदौरि वासोंवैसाभा॥
यिबेनहिकारजविधिकोरि २९ वांईकरबटसोरयैजलवांयेंस्वर
पीव रहिनस्वरभोजनकरैतवसुयपावैजीव १०० वांयेंस्वरभोजन
करैरहिनपीवैनीर दिनदसमूलैयैकरैआवैजगसरीर १ रहिन
स्वरभ्राडंफिरैवांयेलसंकाजार जुगतिअसीकीजियैदेनेतोहिव
ताइ २ बंदचलावैदिवसकोरैनिचलावैसूर निसदिनेअसैरै कर
हैआयुभरिपर ३ यिनवांयेयिनदाहिनेयिनसुयमनजोहोइ॥

लयेहठमहीनाकाल ~~देवपुत्रजायेचले~~ आगेहीसंधनकरैवेठिगु
 फातिनकाल १८ ऊपरयेछेआपकोंप्रातहपाममिलाय उत्तिमकरैसमा
 धिकोताकोकालनयाय १९ जहाकालपहचैजमकीहोरनवास गेंगें न
 नमउलमेजाइकरैहै उन्नमनोवास २० जहाकोननहिज्वलहै दुवैसकल
 सताप रहै उन्नमनौलीनमनविसरैआपाआपा २१ तीनिवेदलगाइकरि
 पांचवाइकोसाधि सुखमतमारगह्यौचलैदेयैय्यालअगाध २२ सक्तिजा
 इसेवसोमिलैजहाहोइमनलीन महायेंचरीजालगैजानैजानप्रवीन
 न २३ आसनपदुमलगाइकैमूलवरकोंकोधि महद्दसीधीकसुर

वंशानहिसूरहैनाहिसुयमनावाल मुयसेतीस्यासाचलैघरीचारिमिकाल ११
 दिनचारिकीआठदिनवार्हकीदिनवीस जोअसंवंशचलैआयुजानवउ
 रस १२ नारीजोसुयमनचलैपांचघरीठहरार घरीपांचसुयमनवहैवैठे
 होमरिजाइ १३ तीनिदिनाअरुनिकोचलैसुयमानावाप वरययेकका
 याइहैफिरिपाछेमरिजार १४ तीनिरैनिअरुतीनिदिनचलैजोतत्यअका
 स महिजाइसकायाइहैफेरिकालविस्वास १५ दिनकोतौवंशचलैरैनिको
 सूर यहनिस्वैकरिजानियेपानगौनभादूरि १६ रैनिकोचलैसूरचंदमेदिनमे
 सूरजबाल येकमहीनापैचलैसूरचंदमहोनाकाल १७ जवसाधैअसे

मंडलको जानि आवत देखै कालजव कहै करै आयन ३१ जोग ध्यान की नो नही
 तरुन अवस्थामीत आगम देखै कालजव कहै सवै वह जीत ३२ कालजीत ह
 रिसुमिलै सत्यम हल अरथात अगेजित साधन करीत हूरा अवस्था जानि ३३
 काल अवधि वीती जवै हित वहि वीति जो जाइ जोगी प्रारा उतारि कै लेहि समाधि
 जगाइ ३४ कालजीति जगमरै है मौत न व्यापै तहि इसैं दार का फेरि कै जव वा
 हैतव जाइ ३५ सूरज मंडल चीरि कै जोगी त्यागै प्रारा साज्ज निमुक्ति सोइ लहै पावै पद
 निर्वा रा ३६ कृष्णपद के मध्य मे दृष्टि न होइ जो मान जोगी तनहि त्यागि यो राज

तिगंगनकोंवांधि २४ चंद्रसूरहोउसमकैरेठोठीहेटलगाय बटचक्रकोवांधि
 कैसुन्यसिबिरकोंजाइ २५ उहापिगलासुबमनयाहीमेमराधि प्रमजोतिभरल
 मसितहापूजैमनकीसाधि २६ जिनसानयैसैंकरीतिनसोसबकुछहोय जवचा
 हैतवहीतजैकालवचायोसो २७ प्रातःअवस्थाजोगकरिवैठिरहैमतजीति
 कालवचावैसाधवहमंत्रतसैमेरनजीति २८ सहाआयोमेलेरहैकरिकरिजोगभा
 स आवतदेखैकालजवगंगनमंडलकरिवास २९ साधोयैसैंसाधिकरिरोयेप्रा
 रावठाइ एसेजोगीजानियेताकोकालनयाय ३० पहिलेसाधननावियोगंगन

१३

नाम साकोसमुक्तिविचारिलेअपनोमनचित्तुलाय ४४ दनौस्वरकोसाधि
 कैस्यासामेमनराधि जेदसरोदयपाइकैतवकाहसोभाधि ४५ जौनऊपर र
 जाइयेदहिनेस्वरपरकास जीतिहोइहारेनहीकरेसनुकोनास ४६ दुरजन
 कोसुरदाहिनोतेरोदहिनोहोइ जोकोइपहिलेचढिचलेयेतजीतिहैसोइ ४७
 सुबमनचसतनचासियैजुद्धकरनकोमीत सोसकयवैकीभाजैदुर्जनकोहैजीत ४८
 जावौयेपप्यवीचलेचढिआवैकोइभूप आपुपैठिदलपेलियैवातकहतहैयूव ४९
 जलप्रधिबीस्वरमेचलेसुनोका नदेवीर सुफलकाजहोऊकारतकीधनीकीनीर ५०

होरपुनिश्चान ३१ राजपारहरिभक्तिकरिपूरवलीपहिचानि जोगजुगतिपावैव
 हरिदुसरेभक्तितिरान ३२ उत्तरायनसूरजलबैसुकपक्षकमाहि जोगीकायात्मा
 गियेयेमंसैसैनाहि ३३ मुक्तिहोइवहुनैहो जीवदोषमिदिजाय वुंदसमुद्धेमिलि
 गसौदुनियानहिठहराय ३४ दक्षिणायनसूरजरैहरैमासबटजान फिरिउत्त
 रायनआइकेरैमासबटजानि ३५ सुषदेवगुरुत्माकरीदीहोसरोदेजान तव
 सोसवजानीपरीलाभ होइकीहानि ३६ धरनिटैगिरवरटैधूहटैसुनुमीत
 वचनसरोइयनाटैमुरलीसुतरनजीत ३७ जेदसरोइयवहुतहैसुद्धमकहोव

मरिजात ५५ दहिनेस्वरकेचलतहीजोब्रह्मपूछेवैन वाहकोदहिना
 चलैलरिकाहैसुषवेन ५६ दहिनेस्वरकेचलतहीजोकोइपूछेभार
 वाकोवांयौस्वरचलैलरिकाहैमरिजा ५७ वांयेंस्वरकेचलतहीआ
 इकहैजोको ३ वेटाहैजीवैनहीवांयेंदहिनाहो ५८ वांयेंस्वरकेचल
 तहीजोब्रह्मपूछेवात वाहकोवांवांचलैवेटीहैकुशलात ५९ दोह
 स्वरसुषमनचलैकहैगर्भकीवात गर्भगिरैकीभूतलगिकीसतमा

पावक और अकास पुनि वायु तत्त्व जो होइ कछु का जनहि कीजियै
 तर्मे वरजै तोय ५१ दहि ते स्वर जव चलतु है कहजाइ जो कोइ पांयेंती
 निआगे धरै सूरज को दिन होइ य ५२ वांयें स्वर मे जाइ यै वांयें पग धरि
 चारि वांयें पग पहिलें धरै होइ चंद को वार ५३ दहि ते स्वर मे दाहि
 ने आगे उग धरि तीन वावों स्वर मे चारि उग पावै स्वर प्रवीन ५४ ग
 र्भवन्ती के गर्भ को जो कोइ पूछे वात बाल कहोइ कि बाल की जीवै की

सुरतिलौलार ६५ सासवानमेकरजकीअग्रजानानरसो३ चीति
 जाहिस्वाससवेतवहीमिर्तगहो३ ६६ यकईसहजारद्यसैयचलै
 रैनदितामैस्वास वीसासैजीवैवरषपाद्येहो३ विनास ६७ आका
 लमतसूजोमरेहो३ करषेलैभूत स्वासाजववीर्तेसवेतवआवाजद
 मद्दत ६८ चासोसंजमसाधिकेस्वासाजुक्तिबलाव आकालमौत
 आवैतहीजीवैपूरीआव ६९ सुषदेकरामकीदयासोसंधदयासो

सेजात ६० तत्वअकालके चलत ही जो कोर पूछै आर जो से होये वठै
 नही माहि पेट विलला ३ ६१ जो कोर पूछै आर करि गर्भ है की नाहि द
 हितो पाँचो स्वर लखै साधि स्वास के माहि ६२ वंद जोर जो आर करियो
 पूछै जो कोर वंद जोर ते गर्भ है वह ते स्वर नहि होइ ६३ ३ ग पिंगला
 सुषम नाना ग्री कही ये तीनि सूरज चंद्र विचारि के रहै स्वार मेलीनि ६४
 जैसे कछु वासि मिटि कै आपुहि माहि समाइ तै सीतानी स्वास मे रहै

१६

१६

१६

ज्ञान चरनदासस्तु जीतमैकहोसरोदयं ग्राह्य ७० जोगजुक्तिहरि
 भक्तिकैवल्यग्यानहठिकरिगतो उत्तमतत्त्वविचारिकैश्च जपाहो
 मेमनरहो ७१ रामेमेरोजन्मनामहैरनजीतवधानो मरलीकोस्तु
 तजानिजोतिहसरपहियानो ७२ बाल्येभ्यश्च वस्यामहिबहुरिदि
 क्षीमेभ्यो गुरुसुषदेवमिलजुनामचरनदाशकहायो ७३ इति
 श्रीसरोदयसास्त्रेभाषायां चरनदाशक्तपरिपूर्णं संमत स्त १२५० वैसाय